सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 274 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 14 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





मित्रता शुद्धतम प्रेम है। ये प्रेम का सर्वोच्च रूप है जहां कुछ भी नहीं मांगा जाता, कोई शर्त नहीं होती, जहां बस देने में आनंद आता है।

-ओशो

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की दूसरी... 7 | तमिलनाडु में विवादों कासाया... 3 | भाजपा मतदाता सूची में फर्जी... 2

सात साल बाद फिर बाहर निकला जासूसी का जिन्न

अखिलेश समेत तमाम सियासी नेताओं ने जाहिर की चिंता

» राहुल गांधी ने अपना फोन दिखाकर दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी उनका फोन टैप करवा रहे हैं

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक फोन... हजार सवाल... और अब जांच की चुनौती। राहुल गांधी ने कहा कि उनके मोबाइल में ऐसे सबूत हैं जिनसे विदेशी ताकतों के प्रभाव और देशविरोधी गतिविधियों का खुलासा हो सकता है। बीजेपी ने पलटवार करते हुए सबूत सार्वजनिक करने और फोन की जांच कराने की चुनौती दे दी है। इस बीच प्रियांक खड़गे, अखिलेश यादव और प्रशांत किशोर जैसे नताओं के बयानों ने फोन निगरानी के पुराने विवाद यानी पेगासस की फाइल भी फिर खोल दी है।

अब सवाल यह नहीं कि राहुल गांधी का फोन टैप हो रहा है या नहीं बल्कि सवाल यह है कि क्या इस दावे की स्वतंत्र और तकनीकी जांच हो सकती है? क्या राहुल अपना फोन फॉरेंसिक जांच के लिए देने को तैयार होंगे? क्या सरकार निगरानी से जुड़े आरोपों पर कोई स्पष्ट जवाब देगी? और क्या देश को यह भरोसा मिल पाएगा कि सत्ता के गलियारों से लेकर विपक्ष के नेताओं तक हर नागरिक की निजता सुरक्षित है? फोन की स्क्रीन छोटी जरूर है लेकिन इसके भीतर उठे सवाल लोकतंत्र के लिए बेहद बड़े हैं। प्रशांत किशोर का अपना अनुभव, अखिलेश को याद आए अमर सिंह, प्रियांक खड़गे ने पेगासस का दिया हवाला। राहुल गांधी के फोन टैपिंग के आरोप ने अब कांग्रेस और बीजेपी के बीच की सियासी बहस को विपक्ष के दूसरे नेताओं तक पहुंचा दिया है। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने इस मुद्दे पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया देकर निगरानी निजता और तकनीकी सुरक्षा का सवाल फिर खड़ा कर दिया है।

राहुल बिना दस्तावेज आरोप नहीं लगाते : प्रियांक खड़गे



कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने राहुल गांधी के आरोप का समर्थन करते हुए कहा कि राहुल बिना दस्तावेजों के कोई आरोप नहीं लगाते। उन्होंने पेगासस विवाद का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि जब इस स्पाइवेयर के इस्तेमाल को लेकर पहले भी विवाद सामने आ चुका है और तत्कालीन रिपोर्टों में सरकार के भीतर के लोगों के नाम भी संभावित निशाने के रूप में आए थे तो विपक्षी नेताओं की निगरानी की आशंका को खारिज कैसे किया जा सकता है।

फोन की फॉरेंसिक जांच से क्यों कतरा रही है सियासत?

फॉरेंसिक जांच से यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि डिवाइस में किसी तरह के संदिग्ध सॉफ्टवेयर, अनधिकृत पहुंच या छेड़छाड़ के संकेत मौजूद हैं या नहीं। हालांकि, केवल फोन की जांच से हर प्रकार की निगरानी की पुष्टि या खंडन संभव नहीं होता। इसके लिए स्वतंत्र तकनीकी परीक्षण, संबंधित रिकॉर्ड और कानूनी प्रक्रिया की भी जरूरत पड़ सकती है। पेगासस विवाद के दौरान भी निगरानी के आरोपों और उनकी जांच को लेकर लंबी बहस हुई थी। अब सवाल है कि क्या देश एक बार फिर उसी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में उलझा रहेगा या इस बार निष्पक्ष जांच और जवाबदेही की कोई ठोस व्यवस्था सामने आएगी? राहुल सबूत देने को तैयार हैं? लेकिन सरकार जांच के लिए क्यों नहीं तैयार हो रही।

> “राहुल गांधी के फोन टैपिंग के आरोप ने अब कांग्रेस और बीजेपी के बीच की सियासी बहस को विपक्ष के दूसरे नेताओं तक पहुंचा दिया है।”

हमें पता है कि आपके पास कितने फोन हैं : हेमांग जोशी



भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष हेमांग जोशी ने कहा है कि मैं बस इतना कहूंगा कि आप ऐसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल ही क्यों होते हैं कि आपको अपना फोन टैप होने का डर सताने लगे? उन्होंने कहा, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी, हमें पता है कि आपके पास कितने फोन हैं और उन फोन पर कौन, किस देश में बैठकर बात कर रहा है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपनी बचकानी हरकतों के लिए हर बार केंद्र सरकार को ही जिम्मेदार ठहराएं। जोशी ने विपक्ष के नेता के खिलाफ भाजपा के आरोपों को दोहराते हुए कहा कि राहुल गांधी जिस तरह से विदेशी ताकतों के मोहरे बन रहे हैं और देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं... उनकी यह कोशिश नाकाम रही है।

फोन टैपिंग हकीकत है : प्रशांत किशोर



प्रशांत किशोर ने राहुल गांधी के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि फोन टैपिंग लंबे समय से होती रही है और यह एक हकीकत है, जिसके बारे में लोगों को जागरूक होना चाहिए। उन्होंने अपने अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि पेगासस विवाद के दौरान उनका नाम भी संभावित निगरानी के निशाने पर रहने वालों की सूची में आया था। किशोर के मुताबिक उन्हें तभी अपने फोन की निगरानी की जानकारी मिली थी। उनके इस बयान ने बहस को राहुल गांधी के व्यक्तिगत आरोप से आगे बढ़ाकर राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में निगरानी के व्यापक सवाल से जोड़ दिया।

अमर सिंह की बात याद दिलाई : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने राहुल गांधी के आरोप का समर्थन करते हुए कहा कि आज तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि कुछ भी संभव है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में किसी भी तकनीक पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जा सकता। उन्होंने पुराने फोन टैपिंग विवाद का जिक्र करते हुए दिवंगत अमर सिंह की याद दिलाई। अखिलेश ने कहा कि अमर सिंह ने भी फोन टैपिंग की बात कही थी और बाद में उनकी बात सच निकली थी। अखिलेश का यह बयान पुराने राजनीतिक विवादों को मौजूदा आरोपों से जोड़ता है और डिजिटल निजता पर नए सवाल खड़े करता है।

भाजपा मतदाता सूची में फर्जी और शिफ्ट हुए वोटों को दुबारा जुड़वाने की साजिश कर रही : अखिलेश

» सपा प्रमुख का दावा- लाखों डुप्लीकेट वोटर हमने खोजे आयोग को भेजेंगे लिस्ट 2.5 करोड़ रुपये भी मांगेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एकबार फिर मतदाता सूची को लेकर भाजपा को घेरा है। सपा प्रमुख ने कहा है कि मतदाता सूची में 25 लाख डुप्लीकेट वोटर हमने ढूंढ लिए हैं। इनकी लिस्ट आयोग को भेजेंगे। आयोग ने डुप्लीकेट वोटर बताने पर ईनाम की घोषणा की है तो हम प्रति डुप्लीकेट वोट 10 रुपये के हिसाब से 2.5 करोड़ रुपये की मांग करेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा मतदाता सूची में फर्जी और शिफ्ट हुए वोटों को दुबारा जुड़वाने की साजिश कर रही है। भाजपा की तैयारी है कि मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमांचल प्रदेश, उत्तराखंड और अन्य जगहों के लोगों को लाकर उनके वोट यहां बनवा दें। अखिलेश यादव ने प्रदेश सपा मुख्यालय पर कहा कि अगर मतदाता सूची से 1 करोड़ 27 लाख हिंदू वोट कट गए हैं तो 31 हजार वोट हर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के कम हो गए हैं। विधानसभा चुनाव में हार के डर से भाजपा मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी पीडीए के लोग पूरी तरह से सावधान रहे, नहीं तो वोट डालने जाएंगे तो बता दिया जाएगा कि वोटरलिस्ट में वोट नहीं है।



भाजपा सरकार में अपराध बहुत बढ़े

उन्होंने कहा कि कि भाजपा सरकार में अपराध बहुत बढ़े हैं। जेल में सबसे ज्यादा पीडीए समाज के लोग है। सबसे ज्यादा फर्जी एनकाउंटर पीडीए समाज के लोगों का हुआ है। यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने दस साल में 81 गंभीर टिप्पणियां की है। कोर्ट ने यूपी पुलिस को भंग करने तक की चेतावनी दे दी थी।

डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह व मुख्य सचिव को हटाएं

अखिलेश यादव ने कहा कि हमें उम्मीद है कि चुनाव आयोग अन्य राज्यों की तरह यूपी के डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह, मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों को चुनाव के दौरान हटाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों की पोस्टिंग की गई है। कई जिलों का आंक?ा दिखाते हुए उन्होंने कहा कि वहां पीडीए समाज के अधिकारी बहुत कम संख्या में हैं। अखिलेश यादव ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा को लेकर कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन व समाजवादी पार्टी का जो गठबंधन था, वहीं विधानसभा चुनाव में भी रहेगा। वही स्थायी गठबंधन है। साथ ही कहा कि भाजपा सरकार ने मो. आजम खां के साथ बहुत अन्याय किया है। उनके विश्वविद्यालय की जांच ईडी कर रही है, लेकिन 17500 करो? रुपये के टेंडर में सरकारी धन की जो लूट हुई, उसकी जांच नहीं हो रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि अगर बीजेपी हार से डरी नहीं होगी तो चुनाव आयोग 6 जनवरी तक चुनाव की तिथियां घोषित कर देगा।

सपा दफ़्तर के बाहर लगा पोस्टर, रावण से की योगी सरकार की तुलना

लखनऊ में समाजवादी पार्टी दफ़्तर के सामने एक नया पोस्टर लगाया गया है, जो चर्चा में आ गया है। इस पोस्टर के जरिए सपा नेता ने माता सीता और रावण का जिक्र करते हुए प्रदेश सरकार पर निशाना साधा और भेष बदलकर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया. इस पोस्टर में एक तरफ़ अखिलेश यादव और दूसरी तरफ भगवान राम और श्रीकृष्ण की तस्वीर भी लगाई गई है। लखनऊ में सपा दफ़्तर के बाहर भगवान राम और श्रीकृष्ण की तस्वीर के साथ ये बड़ी सी होर्डिंग लगाई गई है। ये पोस्टर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव एडवोकेट प्रवेश यादव ने लगवाई हैं इस पोस्टर में बाईं ओर सपा के राष्ट्रीय अखिलेश यादव की बड़ी तस्वीर है और दूसरी तरफ़ भगवान राम और कृष्ण की तस्वीर छपी है. इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के नक्शा भी दिखाया गया है।

यूपी सरकार पर साधा निशाना

इस पोस्टर पर बड़े-बड़े शब्दों में रामायण में सीताहरण की घटना का जिक्र करते हुए प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है. इस पर लिखा गया है कि रावण ने एक बार भेष बदला, सीता मां चली गई...और यहां यूपी में 10 साल से भेष बदलकर लूट रहे हैं, भ्रष्टाचार कर रहे हैं। यूपी वोटर लिस्ट- 7 महीनों में जोड़े गए 20 लाख नए नाम, अब कितनी हो गई मतदाताओं की संख्या ?यूपी चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच छिड़ी सियासी जंग के बीच ये पोस्टर सुर्खियों में आ गया है। इस पोस्टर के जरिए सपा के सॉफ्ट हिन्दुत्व को भी दिखाने की कोशिश की गई है. जिसकी बात अक्सर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव करते आए हैं।

राहुल के आरोपों ने बताया देश की सच्चाई : पीके

» जनसुराज के अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष का किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को दावा किया कि देश में फोन टैपिंग एक हकीकत है और उन्होंने पेगासस विवाद का हवाला देते हुए दावा किया कि उनका फोन भी टैप किया जा रहा था। बांकीपुर के विधायक किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ उनकी हालिया सौहार्दपूर्ण मुलाकात को लेकर पत्रकारों के सवालों पर भी नाराजगी जताई।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेता से शिष्टाचार के नाते हाथ मिलाने का मतलब यह नहीं है कि वह उन्हें सातवीं फेल के बजाय पीएचडी धारक मानने लगेंगे। मुझे अपने फोन की टैपिंग के बारे में तब पता चला था, जब पेगासस के संभावित निशानों में मेरा नाम भी शामिल था। गौरतलब है कि इजराइल में विकसित स्पाइवेयर की मदद से कथित जासूसी किए जाने की खबरें सामने आई थीं, उस समय किशोर चुनावी रणनीतिकार के तौर पर काम कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सार्वजनिक बहस की चुनौती देने के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपना रुख और कड़ा करते हुए आरोप लगाया कि उनके पास प्रधानमंत्री के खिलाफ लगाए गए आरोपों के सबूत उनके फोन में मौजूद हैं। इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी' सत्र के दौरान सार्वजनिक बहस पर जोर देने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गांधी ने कहा कि उन्हें संसद में बोलने की अनुमति नहीं दी जाती और उनका माइक तक बंद कर दिया जाता है।सत्र के दौरान एक अन्य सवाल के जवाब में कांग्रेस नेता ने दावा किया कि उनके सभी आरोपों के सबूत उनके फोन में हैं, जिसकी प्रधानमंत्री द्वारा टैपिंग की जा रही है।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिले पीके

किशोर से एक दिन पहले बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ उनकी सौहार्दपूर्ण मुलाकात के बारे में भी सवाल किया गया। दोनों नेता हाल ही में भाजपा के वरिष्ठ नेता रवींद्र किशोर सिन्हा के श्राद्ध कार्यक्रम में मिले थे।चौधरी के खिलाफ कथित आपराधिक पृष्ठभूमि और संदिग्ध शैक्षणिक योग्यता को लेकर लगातार हमलावर रहे बांकीपुर विधायक ने कहा, राज्य विधानमंडल के सदस्य के रूप में ऐसे कई मौके आएंगे, जब मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री से मिलूंगा। उन्होंने कहा, इसके अलावा, अंतिम संस्कार जैसे अवसरों पर शिष्टाचार बरतना हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है। मुझसे यह उम्मीद क्यों की जानी चाहिए कि मैं सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री के प्रति असभ्य व्यवहार करूं? किशोर ने कहा, सार्वजनिक जीवन में शिष्टाचार का भी अपना स्थान होना चाहिए। मैं बिहार के उत्थान के लिए काम कर रहा हूं और इस दिशा में जिन लोगों को कमजोर पाया है, उनकी आलोचना करता रहा हूं। यही रुख मेरा पूर्व मुख्यमंत्रियों लालू प्रसाद और नीतीश कुमार के प्रति भी रहा है, जो क्रमशः राजद और जदयू का नेतृत्व करते हैं। सम्राट चौधरी के प्रति भी मेरा यही नजरिया है।



कांग्रेस संगठन का विस्तार फिलहाल टला

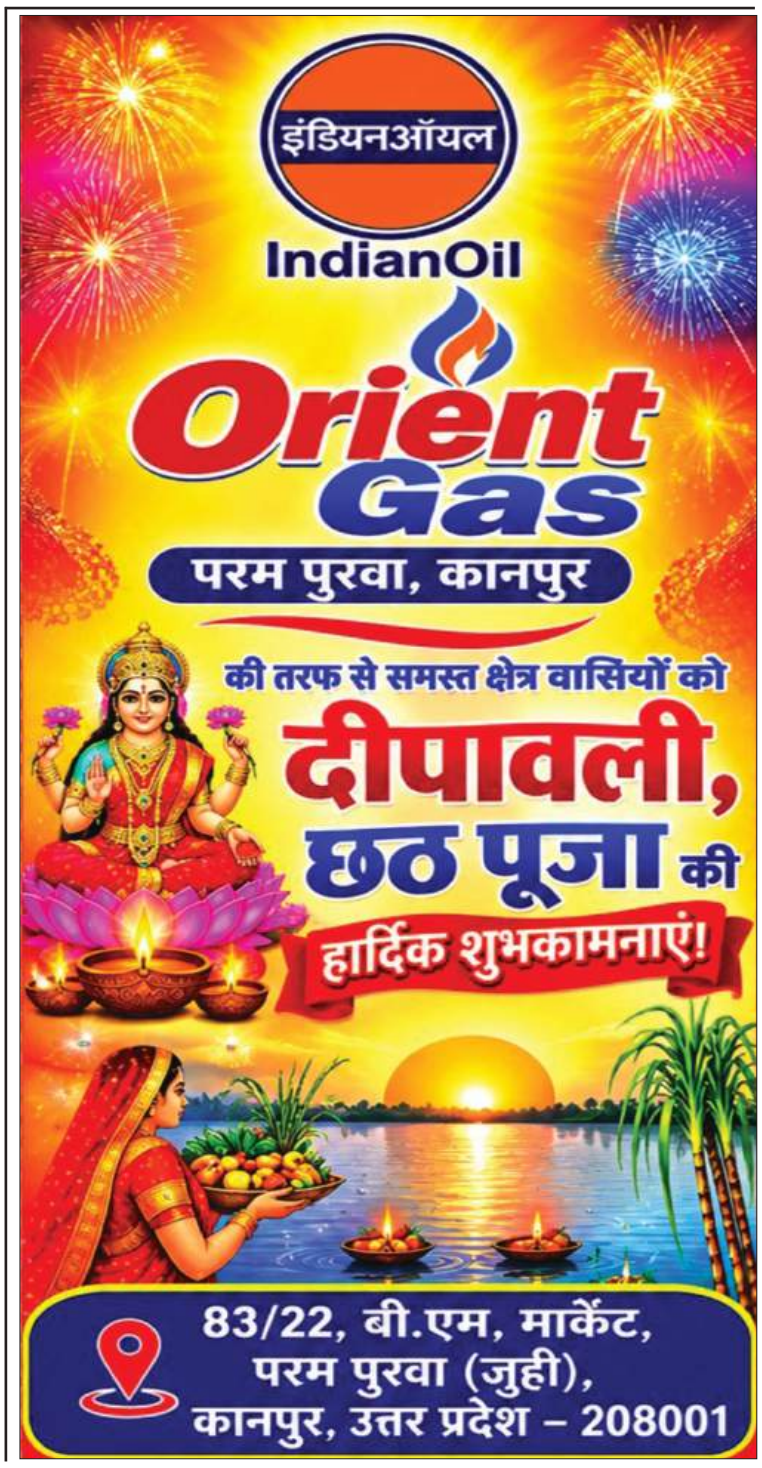
» चुनाव के पहले अब नहीं बदले जाएंगे कांग्रेस के जिला और शहर अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने चुनावी शंखनाद कर दिया है। प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में यह स्पष्ट किया गया कि अब किसी भी जिलाध्यक्ष एवं शहर अध्यक्ष को नहीं बदला जाएगा। सभी को सियासी जंग जीतने के तरीके सिखाए गए। यह भी निर्देश दिया गया कि पार्टी की रीति- नीति को जनता तक पहुंचाया जाए। इसके लिए मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म का भरपूर सहयोग लिया जाए।

कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को सभी जिला अध्यक्षों, शहर अध्यक्षों, फ्रंटल एवं विभाग अध्यक्षों सहित कुल 165 लोगों को बुलाया गया। इनकी कार्यशाला को प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। निर्देश दिया गया कि सभी पार्टी के पदाधिकारी पूरे सम्मान के साथ कार्यकर्ताओं को एकजुट करें। उनकी राय लें। उन्हें पार्टी के निर्देश और शीर्ष नेतृत्व की ओर से उठाए गए मुद्दों की जानकारी दी। मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म का सकारात्मक उपयोग करें। इसी तरह वार रूम की महत्ता, एसआईआर के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संदेश को जनजन तक पहुंचाने, वोटर के वोट को सुरक्षित रखते हुए उसको बूथ तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया गया।

मौके पर सांसद तनुज पुनिया, सांसद, विधायक वीरेन्द्र चैधरी, सचिन सुभाष यादव, मनीष हिंदवी, वीरेंद्र मदान, द्विजेंद्र त्रिपाठी, डा. अंशु अवस्थी, सचिन रावत, प्रियंका गुप्ता, दिनेश यादव। प्रदेश अध्यक्ष पद से अजय राय के हटने और नए अध्यक्ष के रूप में आराधना मिश्रा मोना के जिम्मेदारी संभालने के बाद चर्चा थी कि करीब दो दर्जन से ज्यादा जिलाध्यक्ष बदले जाएंगे।



तमिलनाडु में विवादों का साया अब भी छाया

राज्य में पुस्तकालयों में फर्जी किताबों की खरीद पर बवाल

» एआईडीएमके व पीएमके ने उठाए सवाल

» टीवीके के कल्लाकुरिची से विधायक पर अश्लील मैसेज भेजने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में विवादों साया राज्य में हट नहीं रहा। टीवीके सरकार पर विपक्ष को हमले के मोके बार-बार मिलते जा रहे हैं। अब ताजा मामला पुस्तकालयों में फर्जी किताबों की खरीद पर उठा है। पीएमके ने सरकार से श्वेत पत्र मांगा है गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं टीवीके विधायक द्वारा अश्लील मैसेज भेजने को लेकर सियासी पारा गरमा गया है। उनके खिलाफ अन्नाद्रमुक ने मोर्चा खोल दिया है।

पीएमके अध्यक्ष अंबुमणि रामदॉस ने राज्यभर के सरकारी पुस्तकालयों में नकली किताबों की खरीद में बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए तमिलनाडु सरकार से तुरंत विस्तृत श्वेत पत्र लाने की मांग की है। उन्होंने मामले में संलिप्त प्रकाशकों, अधिकारियों और नेताओं को गिरफ्तार करने को कहा। रामदॉस के अनुसार बिना पंजीकरण वाले प्रकाशकों से कृत्रिम मेधा से तैयार पुस्तकें खरीदी गईं। वहीं तमिलनाडु में महिला जिला अधिकारी को कथित तौर पर व्हाट्सऐप पर आपत्तिजनक संदेश भेजने को लेकर टीवीके विधायक सी. अरुल विग्नेश के खिलाफ अन्नाद्रमुक ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी की कानूनी शाखा ने मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। वहीं, विधायक विग्नेश ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए बेबुनियाद बताया है।



तमिलनाडु की प्रतिष्ठा बहाल करने के लिए करें कार्रवाई

उन्होंने कहा, ''सरकार ने अब अदालत को आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।'' उन्होंने तमिलनाडु की प्रतिष्ठा बहाल करने के लिए इस घोटाले से जुड़े सभी प्रकाशकों, अधिकारियों और राजनेताओं की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

द्रमुक शासन के दौरान निर्मित इस पुस्तकालय का उद्घाटन अक्टूबर में हुआ था

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) शासन के दौरान निर्मित इस पुस्तकालय का उद्घाटन 16 अक्टूबर को किया गया था। उन्होंने कहा कि बाद की खबरों से यह खुलासा हुआ कि अधिकांश किताबें कम चर्चित प्रकाशन अगलविलक्कु पथिप्पगम और फीनिक्स पथिप्पगम से खरीदी गई थीं, जो 'बुक सेलर्स एंड पब्लिशर्स एसोसिएशन ऑफ साउथ इंडिया' (बीएपीएएसआई) में पंजीकृत तक नहीं हैं। अंबुमणि ने इस बात पर



ध्यान दिलाया कि इन किताबों को कथित तौर पर काल्पनिक लेखकों के नाम से कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से तैयार किया गया था। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल कोयंबटूर तक ही सीमित नहीं है और उन खबरों का हवाल दिया जिनमें कहा गया कि पिछले साल 29 अक्टूबर को खुले नवनिर्मित तेन्काशी जिला केंद्रीय पुस्तकालय से भी 'अगलविलक्कु पथिप्पगम' द्वारा प्रकाशित लगभग 2,200 फर्जी किताबों की पहचान कर उन्हें हटाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, ''इनमें से अधिकतर किताबों की कीमत 1,000 रुपये से ज्यादा रखी गई थी। अकेले 'अगलविलक्कु पथिप्पगम' को कथित तौर पर 27 लाख रुपये का भुगतान किया गया और अधिकारियों ने खुद स्वीकार किया है कि भुगतान जल्दबाजी में किए गए थे।'' अंबुमणि ने सख्त कार्रवाई के बार-बार आश्वासन के बावजूद प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने में ''नाकाम'' रहने पर राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ द्वारा एक संबंधित मामले में कड़े निर्देश जारी किए जाने के बाद ही 'अगलविलक्कु पथिप्पगम' के तीन बैंक खातों को 'फ्रीज' किया गया, जिनमें 22 लाख रुपये जमा थे।

अंबुमणि रामदॉस ने भ्रष्टाचार का ब्योरा किया पेश

पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष अंबुमणि रामदॉस ने बृहस्पतिवार को मांग की कि तमिलनाडु सरकार राज्यभर के सरकारी पुस्तकालयों के लिए नकली किताबों की खरीद में कथित तौर पर हुए बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का ब्योरा देते हुए तत्काल एक विस्तृत श्वेत पत्र जारी करे और इस मामले में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार करे। अंबुमणि ने एक बयान में इन



अनियमितताओं को लेकर मीडिया में रोज आ रही खबरों पर कहा कि इस घोटाले ने पूरे देश में तमिलनाडु की छवि धूमिल की है। पीएमके नेता के अनुसार, कोयंबटूर स्थित 'पेरियार अरिवुलागम' पुस्तकालय के लिए किताबों की खरीद में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप सबसे पहले छह नवंबर को सामने आए थे।

मुख्य सचिव समेत तमिलनाडु सरकार के शीर्ष अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा

अन्नाद्रमुक ने महिला जिला अधिकारी को कथित तौर पर व्हाट्सऐप पर अश्लील संदेश भेजने के मामले में टीवीके के कल्लाकुरिची से विधायक सी. अरुल विग्नेश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते



हुए बृहस्पतिवार को मुख्य सचिव समेत तमिलनाडु सरकार के शीर्ष अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। इस घटना को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ने के बाद विग्नेश ने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। अन्नाद्रमुक की अधिवक्ता शाखा के सचिव आई. इनबादुरई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पार्टी की कानूनी शाखा ने मुख्य सचिव, गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को औपचारिक शिकायत दी है। इसमें कल्लाकुरिची के विधायक के खिलाफ कथित तौर पर एक महिला जिला अधिकारी को अश्लील संदेश भेजने के मामले में तत्काल आपराधिक कार्रवाई की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि यह ज्ञापन अन्नाद्रमुक की दक्षिण चेन्नई जिला कानूनी शाखा के उप सचिव एवं अधिवक्ता आर. त्रिसुली ने सौंपा।

स्टालिन ने कानून व्यवस्था पर घेरा

तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमक प्रमुख एमके स्टालिन ने थेनी में हुई जेल से भागने की घटना को लेकर विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार की कड़ी आलोचना की; इस घटना में 17 कैदी फरार हो गए थे। स्टालिन ने जेल की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था में खामियों का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को अपनी सुरक्षा खुद करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने चेन्नई की पुझल सेंट्रल जेल से हाल ही में दो कैदियों के फरार होने का भी जिक्र किया। एक व्यंग्यात्मक पोस्ट में, स्टालिन ने हाल ही में जेल से कैदियों के भागने की घटनाओं को लेकर सरकार की आलोचना करने के लिए 'ब्रेकिंग बैड'



और 'प्रिजन ब्रेक' जैसी टीवी सीरीज़ का जिक्र किया। स्टालिन ने कहा कि ब्रेकिंग बैड के बाद, अब तमिलनाडु में प्रिजन ब्रेक (जेल से भागने की घटनाएं) भी शुरू हो गई हैं! मुझे लगा था कि सरकार सिर्फ जमानत पर छूटे अपराधियों पर नजर रखने में ही नाकाम हो रही है, लेकिन हालात इतने खराब हैं कि जेल के अंदर बंद कैदियों को भी भागने दिया जा रहा है। TVK सरकार की आलोचना करते हुए स्टालिन ने आगे कहा कि कुल मिलाकर, TVK सरकार अयोग्य और निकम्मे लोगों का एक समूह है। ये लोग जनता की सुरक्षा नहीं कर सकते। तमिलनाडु की हालत इतनी दयनीय हो गई है कि लोगों को अपनी सुरक्षा खुद ही करनी पड़ रही है। स्टालिन ने कहा कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में कैदियों का भाग जाना, 1995 के बाद से संभवतः अपनी तरह की पहली घटना है। उन्होंने सवाल उठाया कि सुरक्षा इंतजामों और निगरानी सुविधाओं में सुधार के बावजूद, 2026 में ऐसा कैसे हो सकता है।उन्होंने कहा कि कहा जा रहा है कि 1995 के बाद यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में कैदी एक साथ भाग निकले हैं। 2026 में, जब सुरक्षा इंतजाम और निगरानी की सुविधाएं बेहतर हो चुकी हैं, तब ऐसी घटना का होना बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। बाहर अपराधी बेखौफ होकर अपराध कर रहे हैं, जबकि अंदर कैदी बिना किसी डर के भाग रहे हैं। तमिलनाडु के थेनी में एक जिला जेल से अलग-अलग सजा काट रहे 17 कैदी फरार हो गए। इस घटना के बाद पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि फरार हुए कैदियों में से एक को जेल के पास से ही पकड़ लिया गया।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

जिद... सच की

अमृतकाल का ये कैसा अमृत सफर?

इस समय भारत में त्योहारी मौसम चल रहा है। देश के हर कोने से दूसरे कोने में लोग अपने घरों को वापस जाते हैं। सबसे ज्यादा दिक्कत उत्तर भारत में दिखाई देती है। दक्षिणी व पश्चिमी राज्यों में यूपी प बिहार के लाखों लोग रोजगार से जुड़े हैं। वे इस दिवाली व छठ महापर्व पर घर जाते हैं। पर वहां जाने वाले यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण लोग दरवाजों पर लटकने और शौचालयों में बैठकर सफर करने को मजबूर होते हैं। वहीं हवाई किराए में रिकॉर्ड बढ़ोतरी और निजी बसों द्वारा मनमाना किराया वसूले जाने से यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। कमोवेश ये हर वर्ष होता है। सरकार नई व स्पेशल ट्रेने चलाने की बात करता है पर लोगों की परेशानी कम नही होती है। कभी ये मंजर देखकर यही लगता है कि अमृतकाल का ये कैसा अमृत सफर लोग करने को मजबूर हैं। जबकि सरकार के दावे सब ठीक-ठाक बताने को होते हैं। बता दें छठ महा पर्व पर अपने घर पहुंचने की चाह में हजारों लोग सफर पर निकल पड़े हैं। कोई दिल्ली से बिहार जा रहा है, कोई मुंबई से, कोई तमिलनाडु से तो कोई गुजरात से। लेकिन घर पर पहुंचने का यह सफर आसान नहीं है।

ट्रेनों में इतनी भीड़ है कि यात्रियों को चढ़ने तक के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। ट्रेनें पहले से ही खचाखच भरी हैं और रेलवे स्टेशन पर भी ट्रेन बोर्ड करने वालों की कतारें लगी हैं। लोगों के लिए ट्रेन में गेट से चढ़ना तो मुमकिन ही नहीं हो पा रहा। अंदर भीड़ ही इतनी है लोग चढ़ते हैं तो अंदर की भीड़ लोगों को बाहर धकेल रही है। ऐसे में लोग दूसरे रास्ते अपना रहे हैं। कोई ट्रेन पर लटक कर जा रहा है तो कोई खिड़की से ही अंदर दाखिल होने की कोशिश कर रहा है। सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जो कि प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल खोल रहे हैं। रेलवे पर सवाल उठा रहे हैं कि जब हर साल लाखों लोग अपने घरों के लिए ट्रेवल करते हैं तो इस दफा भी रेलवे नींद से क्यों नहीं जागा? एक पक्ष है जो ट्रेन में पहले से ही परेशान है। जैसे तैसे सीटों पर एडजस्ट कर कर बैठा हुआ है। वहीं जो लोग इस तरह चढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, वो भी मजबूर हैं। दरवाजे से उन्हें अंदर दाखिल ही नहीं होने दिया जा रहा। हर कोई अपने घर जाना चाहता है। परिवार के साथ त्यौहार मनाना चाहता है। ट्रेनों के अंदर जगह नहीं मिलने पर कई यात्री बाथरूम में बैठकर या खड़े होकर सफर करने को मजबूर हैं। कुछ लोग दरवाजों और खिड़कियों के सहारे लटककर यात्रा कर रहे हैं। आज तक की रिपोर्ट के अनुसार एक यात्री के मुताबिक, ट्रेन के एक बाथरूम में करीब 10 लोग बैठे हुए हैं।

ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ के कारण लोग दरवाजों पर लटकने और शौचालयों में बैठकर सफर करने को मजबूर होते हैं। वहीं हवाई किराए में रिकॉर्ड बढ़ोतरी और निजी बसों द्वारा मनमाना किराया वसूले जाने से यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महारैली की भीड़ ही नहीं मुद्दों को भी देखिए

विश्वनाथ सचदेव

मुद्दा महत्वपूर्ण होता है अथवा कोई मुद्दा उठाने वालों की संख्या? राजधानी दिल्ली में हुई विपक्ष की 'महारैली' के संदर्भ में यह सवाल उठाया जा रहा है। यह सही है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन 'इंडिया' ने दावा किया था कि 'लोकतंत्र बचाओ' वाले इस अभियान में देशभर से दस लाख नागरिक राजधानी में एकत्र होंगे। यह भी सही है कि सारी गणनाएं बता रही हैं कि उस दिन दिल्ली में देश भर से आने वालों की संख्या दस लाख नहीं थी। प्रदर्शन में शामिल होने वालों को किसी ने गिना नहीं, यह संभव भी नहीं होता। इस गणना के हमेशा अनुमान ही लगाए जाते हैं। 'महारैली' आयोजित करने वाले लाखों की उपस्थिति के अपने दावे पर अड़े हुए हैं और भाजपा के सारे नेता इस संख्या को सत्ताईस हजार से लेकर सत्तर हजार तक बताने में लगे हैं। प्रदर्शन करने वालों की संख्या कुछ भी हो, यह स्पष्ट दिख रहा है कि सत्तारूढ़ पक्ष इस 'भारी जमावड़े' से कुछ विचलित है। जिस तेज़ी से भाजपा के नेता देश भर में 'अराजकता हटाओ' की अपनी मुहिम में लग गए हैं, वह यह बताने के लिए पर्याप्त है कि 'लोकतंत्र बचाओ' का मुद्दा देश की राजनीति को कहीं गहरे तक प्रभावित कर रहा है।

महत्वपूर्ण यह नहीं है कि राजधानी में हुए इस प्रदर्शन में कितने हजार या कितने लाख लोग शामिल हुए थे, महत्वपूर्ण वह मुद्दा है जो प्रदर्शनकारी उठा रहे थे। मुद्दा कथित वोट चोरी का था और इस प्रदर्शन से विपक्ष इसे देशव्यापी जन-आंदोलन बनाने का प्रयास कर रहा था। इस प्रयास की सफलता का आकलन भी तत्काल संभव नहीं है, पर इतना अवश्य स्पष्ट हो गया है कि लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर विपक्ष का चलाया जाने वाला यह अभियान जनता की चिंता का विषय बनने लगा है। सत्तारूढ़ पक्ष भले ही कुछ भी कहता रहे, पर विपक्ष की राजनीतिक सक्रियता और कार्यकर्ताओं का जोश इसे बहुत हद तक सफल बता रहा है। सफल इस माने में कि आम मतदाता भी इस बारे में सोचने लगा है कि 'वोट चोरी' के आरोप में कहीं कुछ गंभीरता है। यह सही है कि ऐसी स्थितियों में तत्काल परिणाम सामने नहीं आते, पर ऐसे प्रयास आगे बढ़ने का रास्ता दिखाने लगते हैं।

विपक्ष ने अपने इस प्रयास को 'लोकतंत्र बचाओ' का नाम दिया है। उसका आरोप है कि सत्तारूढ़ पक्ष 'बेईमानी' से सत्ता में आया और बेईमानी से ही सत्ता में बना हुआ है। दूसरी तरफ भाजपा के नेतृत्व वाला सत्तारूढ़ पक्ष विपक्ष को अराजकतावादी कहकर यह बताना चाहता है कि मुख्य



चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग के बहाने विपक्ष सत्ता-परिवर्तन चाह रहा है और इसके लिए वह किसी भी सीमा तक जा सकता है। हालांकि इस सीमा को परिभाषित नहीं किया जा रहा, पर यह संकेत तो मिल ही रहा है कि राजनीति के इस खतरनाक खेल में राजनेता कुछ भी कह सकते हैं, कर सकते हैं। विपक्ष की इस 'महारैली' से पहले सत्तारूढ़ पक्ष ने इस बात पर भी आपत्ति दर्ज की थी कि कांग्रेस उसी तारीख को यह आयोजन क्यों कर रही है, जब बयालीस साल पहले 1984 में राजधानी दिल्ली में सिख-विरोधी दंगे हुए थे।

विशेषकर दिल्ली में, बड़े पैमाने पर सिख-विरोधी हिंसा, आगजनी और कत्लेआम हुआ था। एक से तीन नवंबर तक सिखों के विरुद्ध यह हिंसा चलती रही थी। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या और उसके बाद हुए सिख-विरोधी दंगे स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक शर्मनाक काला अध्याय है। इस अध्याय को इसलिए तो याद रखना चाहिए कि फिर कभी ऐसा कांड देश में न हो, पर राजनीतिक लाभ उठाने के लिए उसे याद करना देश के घावों को फिर से हरा करना ही होगा। यह कहना कि कांग्रेस पार्टी ने जानबूझकर एक नवंबर को यह रैली रखी, घटिया राजनीति का ही एक उदाहरण है। बहरहाल, विपक्ष का 'लोकतंत्र बचाओ' का नारा और सत्तारूढ़ पक्ष का 'अराजकता हटाओ' का नारा कुल मिलाकर एक-दूसरे के पूरक ही हैं। मतदाता सूचियों के लिए जिस तरह के आरोप लग रहे हैं, वे निश्चित रूप से चिंता का विषय हैं। देश के 19 करोड़ मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएं, यह बात किसी भी दृष्टि से उचित नहीं लगती। मतदाताओं का निधन हो जाना, स्थानांतरण कर जाना आदि तर्क गलत नहीं हैं, पर एक भी मतदाता का मतदान के अधिकार से वंचित हो जाना हमारी चुनाव-प्रणाली की कमी ही दर्शाता है।

ऐसी हर कमी दूर होनी चाहिए। इस आशय की मांग को अराजकतावाद से जोड़ना उचित नहीं कहा जा सकता। और यह भी उचित नहीं है कि घुसपैठियों को भगाने के नाम पर दलगत हितों के लिए मतदाता सूची में फेर-बदल हो! घुसपैठियों, विशेषकर बांग्लादेशियों, को वोट का अधिकार नहीं मिलना चाहिए, यह तो सही है, पर सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि तीन करोड़ विदेशी भारत में कैसे रह रहे हैं।

जलते हैं वहां गंगा-जमुनी तहजीब के दीप



देवा शरीफ की सीख है कि दीन को मानकर जो झगड़े होते हैं, वे दीन को जानकर नहीं होते। इस दरगाह में दीपावली पर 'जो रब है वही राम है' के नारों के बीच दीये जलाकर जश्न-ए-चरागां मनाया जाता है।

कृष्ण प्रताप सिंह

दीपावली की भरपूर छटा देखनी हो तो गंगा-जमुनी तहजीब के दयार में आना चाहिए। अवध में, जहां यह सूफी संतों की दरगाहों में सबसे अधिक नजर आती है। खासकर विश्वप्रसिद्ध देवा शरीफ और किछौछा शरीफ में। देवा शरीफ उत्तर प्रदेश की वर्तमान और अवध की पुरानी राजधानी लखनऊ से बयालीस किलोमीटर तथा अवध का हृदय कहलाने वाले बाराबंकी जिले के मुख्यालय से महज बारह किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि किछौछा शरीफ फैजाबाद (अब अयोध्या) जिले को विभाजित करके बनाए गए अंबेडकरनगर जिले में स्थित है। देवा शरीफ की सीख है कि दीन को मानकर जो झगड़े होते हैं, वे दीन को जानकर नहीं होते। इस दरगाह में दीपावली पर जो रब है वही राम है के नारों के बीच दीये जलाकर जश्न-ए-चरागां मनाया जाने लगता है तो किसी को भी अपना हिंदू, सिख या मुसलमान वगैरह होना याद नहीं रह जाता!

इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से यहां आए विभिन्न धर्मों, बोलियों और भाषाओं के अनुयायी लौटते समय अपने साथ और कुछ ले जाएं या नहीं, अनेकता में एकता, शांति और सौहार्द के संदेश जरूर ले जाते हैं। यह दरगाह अवध के अपने समय के जाने-माने सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की कर्मस्थली है, जिन्हें वारिस सरकार के नाम से भी जाना जाता है। दरगाह के दरवाजे को कौमी एकता का दर कहा जाता है। यहां कौमी एकता को बढ़ावा देने वाले नारे लगाए जाते हैं। कई लोग इसकी परंपराओं को अवध के नवाबों, खासकर नवाब वाजिद अली शाह और उनकी बेगम हजरत महल द्वारा पाली-पोसी जाती रही उस तहजीब से भी जोड़ते हैं, जिसमें भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं रही। कहा जाता है कि गंगा-यमुना के इलाकों में इस तहजीब को जिन लोगों ने पाला-पोसा, उसे आगे बढ़ाने का काम मुख्यत: सूफी संतों ने ही किया। अवध में ऐसे कई सूफी संतों की जन्मस्थलियां और साधनास्थलियां स्थित हैं। इनमें मलिक मुहम्मद जायसी का नाम भी उल्लेखनीय है। जैसा कि उनके नाम से ही जाहिर है, उनका जन्म जायस में हुआ था।

दीपावली के दिन से शुरू होने वाला किछौछ शरीफ मेला चालीस दिनों तक चलता है और अगहन मेला कहलाता है। इसमें देश के प्राय: हर कोने से लोग आते हैं— चाहे शहरी हों या ग्रामीण। इस मेले में दीपावली और एकादशी के अलावा बृहस्पतिवार के दिन को भी विशेष महत्व दिया जाता है। दीपावली की रात दरगाह स्थित नीर शरीफ (सरोवर) के तट पर मोमबत्तियां और घी के दीये रोशन किए जाते हैं तथा दरगाह परिसर को खुशबूदार अगरबत्तियों से सुवासित किया जाता है।

इस दीपोत्सव को अगहन मेले का असली तेवर कहा जाता है। इस अवसर पर छोटे बच्चों का मुंडन भी करवाया जाता है। गुस्ल मुबारक का दो दिवसीय मेला इस मेले से अलग होता है। इसमें जलसे के बाद दरगाह के संत मखदूम अशरफ जहांगीर सिमनानी की मजार को चालीस घड़े गुलाब और केवड़े के जल से नहलाया जाता है। फिर यह जल श्रद्धालुओं में वितरित किया जाता है। इस दरगाह की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका हर रंग सूफियाना और लासानी है। यहां प्राय: साल भर अकीदतमंदों और फकीरों का जमावड़ा लगा रहता है और कोई न कोई मेला होता रहता है। संत मखदूम अशरफ जहांगीर सिमनानी के बारे में कहा जाता है कि उनका जन्म ईरान के सिमनान प्रांत में हुआ था और वे मात्र तेरह वर्ष की उम्र में ही वहां के शासक बन गए थे। लेकिन राजकाज में उनका मन नहीं लगा तो उन्होंने गद्दी छोटे भाई को सौंप दी और फकीरी की राह पर चल पड़े। दुनियाभर में सूफी मत का प्रचार करते हुए वे भारत आए और किछौछा पहुंचे तो वहीं के होकर रह गए।

दरगाह का सालाना उर्स मेला मोहर्रम महीने की पच्चीसवीं से अट्ठाईसवीं तारीख तक चलता है। अट्ठाईसवीं तारीख ही संत सिमनानी के दुनिया को अलविदा कहने की तारीख भी है। उर्स के अलावा मोहर्रम का मेला भी लगता है, जो मोहर्रम की तीसरी से दसवीं तारीख तक चलता है। इस दौरान दरगाह के आस्ताने से चौकी, अलम, निशान और ताजियों के जुलूस निकलते हैं, जिनका समापन दसवीं की रात होता है। तब नीर शरीफ के तट पर बड़े ताजिये के साथ कई छोटे-बड़े ताजिये भी दफनाए जाते हैं। इनमें बड़ा ताजिया अकीदतमंदों द्वारा दरगाह पर चढ़ाई जाने वाली चादरों से ही बनाया जाता है। रजब के महीने में लगने वाले दो सप्ताह के अजमेरी मेले का भी अलग ही आकर्षण होता है। इसमें अजमेर शरीफ जाने वाले जायरीन अपनी रवानगी से पहले यहां हाजिरी देकर संत की दुआ लेते हैं। इतना ही नहीं, हर महीने के पहले बृहस्पतिवार को नौचंदी मेला लगता है, जिसे मासिक मेला भी कहते हैं।

उगते व डूबते सूर्य को अर्घ्य देने का पर्व है

छठ पूजा

हिंदू धर्म के तमाम बड़े त्योहारों में छठ पूजा का भी विशेष महत्व है। छठ का पर्व कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर नहाय खाय से शुरू होता है। पंचमी को खरना, षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और सप्तमी को उगते सूर्य को जल अर्पित कर व्रत संपन्न किया जाता है। चार दिन चलने वाला इस पर्व में सूर्य और छठी मैय्या की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत रखा जाने वाला व्रत बेहद कठिन माना जाता है, क्योंकि इस व्रत को 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए रखा जाता है। यह व्रत संतान की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना के लिए रखा जाता है। छठ पूजा का व्रत रखने वाले लोग 24 घंटे से अधिक समय तक निर्जला उपवास रखते हैं।

शुभ मुहुर्त

साल 2026 में छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर, शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ होगी। इसके बाद 14 नवंबर को खरना, 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य और 16 नवंबर को उषा अर्घ्य दिया जाएगा। इस तरह चार दिवसीय छठ पर्व 13 नवंबर से 16 नवंबर 2026 तक चलेगा।





व्रत कथा

सनातन शास्त्रों की मानें तो द्वापर युग में जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब कुष्ट रोग से पीड़ित थे। भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें सूर्य उपासना की सलाह दी। कालांतर में साम्ब ने सूर्य देव की उपासना की। सूर्य देव की उपासना करने से साम्ब को कुष्ट रोग से मुक्ति मिली थी। इसके पश्चात, साम्ब ने 12 सूर्य मंदिरों का निर्माण करवाया था। इनमें सबसे प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर है, जो ओडिशा में है। इसके अलावा, एक मंदिर बिहार के औरंगाबाद में है। इस मंदिर को देवार्क सूर्य मंदिर के नाम से जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि चिरकाल में जब देवताओं और असुरों के मध्य युद्ध हुआ, तो इस युद्ध में देवताओं को हार का सामना करना पड़ा। उस समय देव माता अदिति ने इसी स्थान पर (देवार्क सूर्य मंदिर) पर संतान प्राप्ति हेतु छठी मैया की कठिन तपस्या की। इस तपस्या से प्रसन्न होकर छठी मैया ने अदिति को तेजस्वी पुत्र प्राप्ति का वरदान दिया था। कालांतर में छठी मैया के आशीर्वाद से आदित्य भगवान का अवतार हुआ। आदित्य भगवान ने देवताओं का प्रतिनिधित्व कर देवताओं को असुरों पर विजयश्री दिलाई थी। कालांतर से पुत्र प्राप्ति हेतु छठ पूजा की जाती है। इस व्रत के पुण्य प्रताप से सुख और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है।

छठ पूजा के प्रमुख दिन

छठ पूजा की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इस दिन व्रती पवित्र नदी या तालाब में स्नान करते हैं और सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। भोजन में आमतौर पर चावल, दाल, कद्दू की सब्जी शामिल होती है। इस दिन से ही पवित्रता और संयम का पालन शुरू हो जाता है। खरना के दिन व्रती पूरा दिन निर्जला व्रत रखते हैं और शाम को सूर्यास्त के बाद गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद तैयार करके पहले छठी मैया को अर्पित करते हैं, फिर परिवार में बांटते हैं। इसके बाद 36 घंटे का कठोर निर्जला व्रत शुरू हो जाता है। यह छठ पूजा का मुख्य दिन होता है। षष्ठी तिथि की शुरुआत 14 नवंबर 2026 को रात 11:23 बजे से होगी और समाप्ति 16 नवंबर 2026 को रात 02:00 बजे होगी। शाम को लगभग 05:30 बजे डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। व्रती घुटनों तक पानी में खड़े होकर बांस की सूप में ठेकुआ, फल, गन्ना और अन्य प्रसाद रखकर सूर्य देव को अर्पित करते हैं। छठ पूजा का अंतिम दिन उषा अर्घ्य का होता है। सुबह लगभग 06:20 बजे उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रती अपना 36 घंटे का निर्जला व्रत पूर्ण करते हैं और प्रसाद ग्रहण कर पारण करते हैं।



व्रत के नियम

छठ पर्व पूजा के दौरान व्रत रहे साधक को सूर्य देव को अर्घ्य देने से पहले किसी चीज का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही व्रत करने वाले साधक को इस दौरान जमीन पर सोना चाहिए। इसके साथ ही छठ पूजा से करीब 10 दिन पहले से ही अरवा चावल और सेंधा नमक का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

हंसना मना है

पप्पू- आओ मिलकर हम दोनों दर्द बांटते हैं... गप्पू - लेकिन कैसे... पप्पू - तुम दरवाजे में अपनी उंगली दो, मैं दबाता हूं, फिर हम दोनों मिलकर चिल्लाएंगे...

लड़की वाले लड़का देखने गए... लड़की वाले - कितना कमा लेते हो.. लड़का - इस महीने दो करोड़ कमाया...लेकिन, लड़की वाले - लेकिन क्या हुआ... लड़का - बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हैंग हो गया और सारी कमाई चली गई...

पप्पू मंदिर गया... एक बाबा ने कहा-10 रुपये दे बच्चा... पप्पू ने 10 रुपये निकाल कर दे दिए... बाबा ने कहा - मैं खुश हुआ, मांग क्या मांगता है.. पप्पू बोला-मुझे 100 रुपये दे दो...

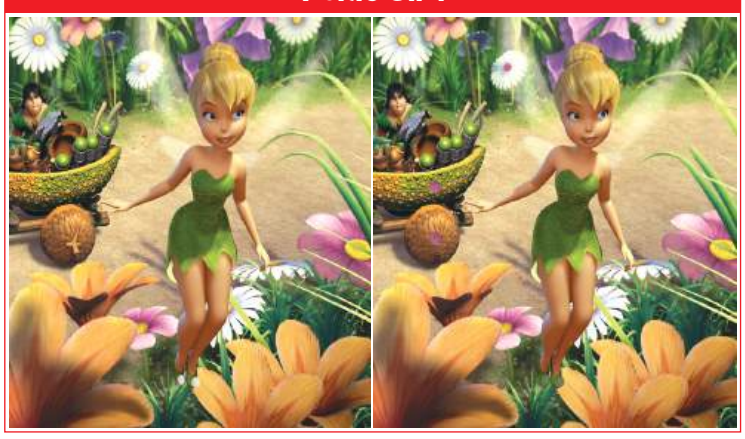
बढ़ती महंगाई के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठे नेता को मुस्कुराता देख रिपोर्टर बोला-नेता जी, आप तो टेंशन फ्री हैं, लोग अनाप शनाप बोल रहे हैं... आपसे बेतुके सवाल कर रहे हैं और आप सबको मुस्कुरा के उत्तर दे रहे हैं... क्या राज है इसका, नेता जी बोले-ऐ, बबूआ, जानना चाहते हो...इधर आओ, नेता जी कान में फुसफुसाकर बोले-नेता बनने से पहले मैं लेडीज सूट की दुकान पर रहता था... वहां, दो चीजें महिलाओं ने सिखाई... देर तक भूखा रहना और मुस्कुराना...

कहानी | शिक्षा पर विचार

स्वामी विवेकानंद जी का आदर्शों से भरा जीवन हम सभी को प्रेरणा देता है। उनके उच्च विचार न केवल हमारे जीवन में नई ऊर्जा का संचार करते हैं साथ ही हमारा मार्गदर्शन भी करते हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए हमें उनके शिक्षा संबंधी विचार बहुत याद आते हैं। स्वामी जी मानते थे कि सही शिक्षा के अभाव के कारण ही हमारा देश अभी तक पूर्ण विकसित नहीं हो पाया है। स्वामीजी चाहते थे कि शिक्षा प्रणाली ऐसी हो जो युवाओं के चरित्र का निर्माण करे, उनको जीवन संघर्ष के लिए तैयार करे। उनका मानना था कि सिर्फ किताबें पढ़ना शिक्षा नहीं है, बल्कि उनसे ज्ञान प्राप्त करना और उस ज्ञान का प्रयोग जीवन में करना वास्तविक शिक्षा है। स्वामी जी के मत अनुसार वर्तमान शिक्षा प्रणाली से सिर्फ मजदूर तैयार हो रहें हैं, जबकि वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो जिससे बच्चे आत्मनिर्भर बने और कमाई के साधन स्वयं तैयार करें। स्वामी जी युवओं में अनंत साहस और शक्ति का संचार करना चाहते थे। उनका मानना था कि बेहतर समाज के निर्माण के लिए युवाओं का सही मार्गदर्शन जरूरी है। इसीलिए उन्होंने शिक्षा को बहुत महत्व दिया। उनका मत था कि हर बालक में कुछ न कुछ संभावनाएं अवश्य होती हैं, जरूरत है तो बस उसे पहचानने की और विकसित करने की। जिससे एक निडर, साहसी और आत्मनिर्भर चरित्रवान युवा का निर्माण हो सके। ऐसे में जब देश का युवा शक्तिशाली और बलवान होगा तो अपने आप ही विकासशील और आत्मनिर्भर देश का निर्माण होगा। इसीलिए स्वामी जी का मानना था कि वास्तविक शिक्षा वो है जो व्यक्ति की क्षमताओं को अभिव्यक्त कर उसे कामयाब बनाती है।

कहानी से सीख: स्वामी जी के शिक्षा सम्बंधी विचार ने हमें बताया कि हमारा असल ज्ञान वो है जो हमें जीवन में सफल और स्वतंत्र बनाए, न कि वो जो हमें गुलामी की ओर ले जाए। ये वास्तविक ज्ञान हम में ही मौजूद होता है। बस उसे पहचान कर विकसित करने की जरूरत है।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष



संयम और सूझबूझ से कार्यस्थल पर दिन निपटाएं। व्यापारिक सौदों में लिखा-पढ़ी स्पष्ट रखें। परिवार के सदस्यों के साथ तालमेल बेहतर रखें।

वृषभ



दफ्तर में शांतिपूर्वक काम करें, योजनाएं सफल होंगी। व्यापारिक फैसलों में जल्दबाजी से बचें, लाभ होगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे।

मिथुन



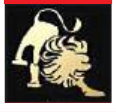
कार्यस्थल पर आपकी कार्यशैली की सराहना होगी। व्यापार में नए अवसरों से लाभ संभव है। पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण और सुखद रहेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे।

कर्क



वरिष्ठों का मार्गदर्शन कार्यक्षेत्र में राह आसान करेगा। व्यावसायिक यात्राएं सफल रहेंगी, नया काम मिलेगा। परिजनों के साथ मनमुटाव दूर होगा, मिठास आएगी।

सिंह



दफ्तर में प्रभावशीलता और मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यापार में नए सौदे स्थिति को मजबूत करेंगे। प्रेम संबंधों में समझ और सामंजस्य बढ़ेगा।

कन्या



कार्यस्थल पर एकाग्रता से काम निपटाएं। लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें। अपनों के साथ सौम्यता और धैर्य से बात करें। फिजूलखर्च पर रोक लगाना जरूरी है।

तुला



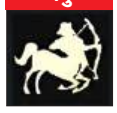
पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। साझेदारी के काम में उत्तम लाभ देखने को मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सौहार्द और खुशहाली रहेगी।

वृश्चिक



विरोधियों पर आपकी बढ़त कार्यस्थल पर बनी रहेगी। व्यापार में नए प्रयोगों से मुनाफा मिलेगा। परिवार का समर्थन हिम्मत और उत्साह बढ़ाएगा।

धनु



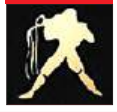
रचनात्मक कार्यों में बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। व्यापार में नया निवेश भविष्य में लाभ देगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर



दफ्तर में अतिरिक्त जिम्मेदारी संयम से संभालें। कागजी काम में पूरी सतर्कता बनाए रखें। परिजनों के साथ तालमेल बनाए रखना सही रहेगा।

कुम्भ



बुद्धिमत्ता से सभी कठिन काम आसानी से निपटाएंगे। व्यापार में नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। प्रियजनों और मित्रों के साथ सुखद समय बीतेगा।

मीन



दफ्तर में आपकी सलाह की प्रशंसा होगी। व्यापार में लाभ के नए अवसर सामने आएंगे। पारिवारिक माहौल सुखद और आनंददायक रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।



फिल्म 'रूपा' की पहली झलक आयी सामने

कोमल रानी के साथ रोमांस करते नजर आये गोविंदा

गोविंदा अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं। एक तरफ, उनकी पत्नी सुनीता के साथ उनके मतभेदों की खबरें लगातार आती रहती हैं। दूसरी तरफ, वे सात साल बाद बॉलीवुड में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गोविंदा फिल्म रूपा में नजर आएंगे, जिसमें कोमल रानी स्वर्णकार लीड एक्ट्रेस हैं। इसी हीरोइन ने अब गोविंदा के साथ कुछ रोमांटिक फोटोज शेयर करके खलबली भी मचा दी है।

गोविंदा और कोमल रानी अक्सर एक साथ देखे जाते हैं। अब, कोमल ने गोविंदा के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में गोविंदा, कोमल के साथ रोमांस करते नजर आ रहे हैं। ये तस्वीरें फिल्म रूपा की हैं। कोमल ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, फिल्म रूपा की एक खूबसूरत झलक।

तस्वीरों में कोमल बैंगनी रंग की साड़ी पहने नजर आ रही हैं। गोविंदा सफेद शर्ट, ब्लेजर और काले रंग की पैंट पहने हुए हैं। तस्वीरों में, वे दोनों एक-दूसरे के कंधों पर हाथ रखकर पोज़ देते हुए दिख रहे हैं। राखी सावंत ने कोमल की इन तस्वीरों पर भी कमेंट किया है। राखी सावंत ने गुस्से वाले इमोजी शेयर किए हैं। इस बीच, ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि गोविंदा का कोमल के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है। गोविंदा की पत्नी सुनीता ने भी उन पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, गोविंदा ने कोमल के साथ संबंध होने की इन अफवाहों का खंडन किया। कोमल रानी स्वर्णकार ने भी अपनी बात की शुरुआत उन मशहूर हस्तियों की ओर इशारा करते हुए की, जिन्होंने उनके और गोविंदा के बारे में बात की है। उन्होंने लिखा, हाल ही में, मैंने कुछ मशहूर हस्तियों को गोविंदा जी और मेरी निजी ज़िंदगी, और हमारे चरित्र पर खुलकर टिप्पणी करते देखा है।



आशीष चंचलानी के साथ जुड़ा नाम तो भड़क गईं समरीन कौर

अरशदीप सिंह से सगाई के बाद अभिनेत्री और मॉडल समरीन कौर लगातार चर्चा में हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर उनका नाम यूट्यूबर आशीष चंचलानी के साथ जोड़ा जाने लगा। दोनों की पुरानी तस्वीरों और वीडियो को एडिट करके सोशल मीडिया पर कई रील्स और पोस्ट शेयर किए जा रहे हैं। इन वायरल कंटेंट को लेकर अब समरीन ने नाराजगी जाहिर की है। अभिनेत्री ने साफ किया है कि आशीष चंचलानी के साथ उनकी बातचीत पिछले चार साल से बंद है और उन्होंने इतने समय से साथ में कोई कंटेंट भी नहीं बनाया है। समरीन ने पुराने फोटो और वीडियो के आधार पर कहानियां गढ़ने वालों को आड़े हाथों लिया है। समरीन कौर ने शुक्रवार, 13 नवंबर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा कर इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि सुबह उठने पर उन्हें अपनी तस्वीरों के साथ एक यूट्यूबर के पुराने वीडियो से तैयार की गई कई रील्स दिखाई दीं। अभिनेत्री के मुताबिक उन्होंने उस यूट्यूबर के साथ करीब चार साल पहले काम किया था, लेकिन उसके बाद से न तो दोनों की बातचीत हुई है और न ही उन्होंने कोई नया वीडियो या कंटेंट साथ बनाया है। समरीन ने अपनी पोस्ट में स्पष्ट शब्दों में कहा कि चार साल पुरानी तस्वीरों और क्लिप्स को बार-बार इस्तेमाल करके नई कहानियां बनाने की कोशिश बंद होनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया यूजर्स से अपील की कि पुराने कंटेंट को मौजूदा घटनाओं से जोड़कर भ्रामक बातें न फैलाएं। अभिनेत्री का कहना है कि कुछ लोग सिर्फ व्यूज और सोशल मीडिया पर चर्चा बटोरने के लिए इस तरह के एडिट्स तैयार कर रहे हैं।

सुर्खियों में रहा करीना कपूर का शाही लुक

करीना कपूर खान अपने शानदार फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में दिवाली के मौके पर उनका एक खास लुक सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहा। इस दौरान करीना ने बेज कलर का कफ्तान और उससे मैच करती पगड़ी पहनी थी। उनके इस लुक को रिया कपूर ने स्टाइल किया था।

हालांकि, पूरे लुक में सबसे ज्यादा ध्यान 30 कैरेट के पन्ने के पेंडेंट ने खींचा। इस पेंडेंट पर कुरान की आयत-उल-कुर्सी लिखी हुई है। अब इसी को लेकर करीना कानूनी मुश्किल में पड़ गई हैं।

दरअसल, मध्य प्रदेश के कांग्रेस नेता अब्बास हफीज ने करीना कपूर खान और उनकी स्टाइलिस्ट रिया कपूर को कानूनी नोटिस भेजा है। उनका आरोप है कि कुरान की एक पवित्र आयत को फैशन एक्सेसरी के रूप में दिखाने से मुस्लिम समुदाय के लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। नोटिस में करीना से सोशल मीडिया पर पेंडेंट वाली तस्वीर हटाने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न करने का भरोसा देने की मांग की गई है।

हालांकि, इस पूरे विवाद के बीच करीना के इस खास गहने का शाही इतिहास भी चर्चा में आ गया है। ये पेंडेंट भोपाल की बेगम का था और पटौदी परिवार के जरिए करीना तक पहुंचा है। आइए जानते हैं इस खास गहने की पूरी कहानी।

करीना के इस पेंडेंट की बात करें तो ये करीब 30 कैरेट का बेशकीमती पन्ना है। इस पर कुरान की आयत-उल-कुर्सी बेहद बारीकी से उकेरी गई है। आयत-उल-कुर्सी को कुरान की खास आयतों में से एक माना जाता है। ये सूरह अल-बकरा की 255वीं आयत है, जिसमें अल्लाह की ताकत, ज्ञान और उसकी बादशाहत का जिक्र किया गया है।



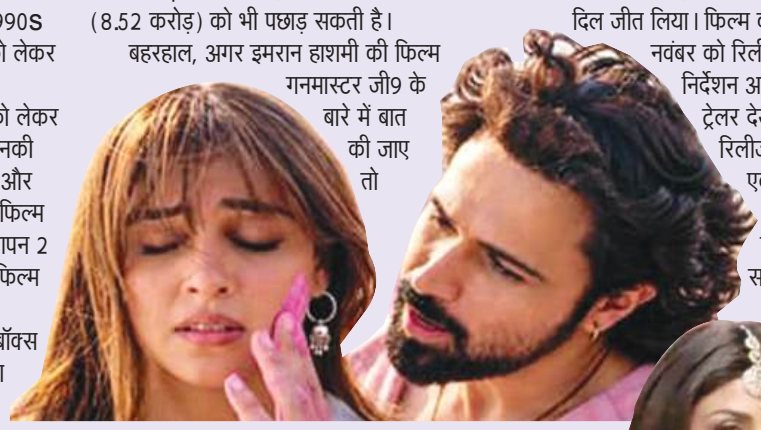
ओपनिंग डे पर बड़ा रिकॉर्ड बनाएगी इमरान हाशमी की गनमास्टर जी9

इमरान हाशमी फिल्म गनमास्टर जी9 की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा लेकिन इससे पहले इसका ट्रेलर जारी किया जा चुका है, जिसे दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पांस मिला। इस म्यूजिकल एक्शन ड्रामा फिल्म का ट्रेलर देख लोगों को 1990S के समय के इमरान की याद आ गई। फिल्म को लेकर अच्छा खास बज बना हुआ है।

इसी बीच अब इमरान हाशमी की फिल्म को लेकर प्रिडिक्ट किया जा रहा है कि ये इस साल की उनकी बिगेस्ट ओपनर फिल्मों में शामिल हो सकती है और बड़ा रिकॉर्ड भी बना सकती है। चलिए बताते हैं फिल्म पहले दिन कितनी कमाई कर सकती है। आवारापन 2 के बाद एक्टर की इस साल की ये दूसरी बड़ी फिल्म साबित हो सकती है।

कोईमोई के अनुसार, गनमास्टर जी9 के बॉक्स ऑफिस ओपनिंग को लेकर प्रिडिक्शन किया जा रहा है कि ये इमरान हाशमी की चौथी बिगेस्ट ओपनर फिल्म बन सकती है। फिल्म के ओपनिंग डे कलेक्शन को लेकर माना जा रहा है कि ये पहले दिन 8-10 करोड़ का बिजनेस कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो ये मर्डर 2 (6.95 करोड़) का रिकॉर्ड पहले ही दिन तोड़ सकती है। इसके साथ ही जन्नत 3 (8.52 करोड़) को भी पछाड़ सकती है।

बहरहाल, अगर इमरान हाशमी की फिल्म गनमास्टर जी9 के बारे में बात की जाए तो इसके जरिए एक्टर एक बार फिर से शानदार अवतार में नजर आए थे। इसमें एक्शन लेकर रोमांस तक में दमदार लगे। फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस अवनीत कौर और जेनेलिया देशमुख भी अहम रोल में हैं। जेनेलिया के साथ इमरान की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म को सिनेमाघरों में 20 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। इसका निर्देशन आदित्य दत्त ने किया है। ट्रेलर देखने के बाद फैंस इसकी रिलीज को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। इसमें इमरान और हिमेश रेशमिया की जोड़ी भी सालों के बाद देखने के लिए मिलेगी। हिमेश ने फिल्म में म्यूजिक और कई गाने भी दिए हैं।



प्यार का प्रेशर कुकर शो होस्ट करेंगी शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी रिलेशनशिप रियलिटी शो प्यार का प्रेशर कुकर को होस्ट करने जा रही हैं। शो के मेकर्स के अनुसार, यह शो ऐसे कपल्स को एक साथ लाएगा जो अपने रिश्तों में किसी मोड़ पर आकर फंस गए हैं।

एक ही घर में रहने के दौरान, प्रतिभागियों को उन सवालों के जवाब देने होंगे जिनसे वे अब तक बचते आ रहे हैं। इस प्रक्रिया में उनके माता-पिता भी शामिल होंगे, जो उन्हें एक जरूरी रियलिटी चेक देंगे, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके और सच सामने आ सके।

शो के बारे में बात करते हुए शिल्पा ने कहा, आजकल रिश्तों में कई नए शब्द जुड़ गए हैं, जैसे सिचुएशनशिप, ब्रेडक्रंबिंग और बेंचिंग। इस सब के बीच असल स्पष्टता कहीं खो गई है। चाहे रिश्ता नया हो या वर्षों से चला आ रहा कोई पुराना रिश्ता, एक ऐसा मोड़ जरूर आता है, जब किसी को सही और जरूरी सवाल पूछने ही पड़ते हैं। प्यार का प्रेशर कुकर की जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है रियलिटी फॉर्मेट पर इसका एक नया नजरिया। शिल्पा ने आगे कहा यह भारत का पहला ऐसा रिलेशनशिप शो है, जहां माता-पिता प्रतिभागियों को रियलिटी चेक देते हैं। यह शो कपल्स के साथ-साथ उनके माता-पिता के लिए भी काफी दिलचस्प है, जो यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि असल में क्या चल रहा है। यह एक ऐसा शो है जो लोगों को वह बात कहने के लिए प्रेरित करता है जो वे वास्तव में कहना चाहते हैं। मैं इसे होस्ट करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।



भारत समिट को लेकर तेलंगाना में घमासान

केंद्र सरकार का केवल गुजरात के विकास पर ध्यान केंद्रित : रेड्डी

» कांग्रेस का भाजपा-बीआरएस पर प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारत समिट को लेकर तेलंगाना में घमासान मच गया है। वहां पर कांग्रेस व भाजपा-बीआरएस में वार-पलटवार तेज हो गया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य में आयोजित भारत समिट का विरोध करने पर बीआरएस और भाजपा की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का मकसद तेलंगाना को बेहतर निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर केवल गुजरात के विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप भी लगाया। रेड्डी ने बताया कि 70 देशों के लगभग 1,000 प्रतिनिधि इसमें हिस्सा लेंगे और प्रत्येक प्रतिनिधि को ''तेलंगाना का राजदूत'' माना जा रहा है। उन्होंने नॉर्वे की पत्रकार हेले लाइंग का वीजा कथित तौर पर रद्द किए जाने की भी आलोचना की। वह मई में उस समय सुर्खियों में आई थीं, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओस्लो यात्रा के दौरान उनसे सवाल किए थे।

आंख मूंदकर विरोध करने में लगा है विपक्ष

उन्होंने कहा, ''जिस व्यक्ति ने सवाल पूछा, उसे भारत में प्रवेश से रोक दिया गया क्योंकि वह (मोदी) तानाशाही पसंद करते हैं। कोई उनसे सवाल नहीं पूछे। वह खुद को तानाशाह समझते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत ने भारत समिट की आलोचना करने पर बीआरएस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पलटवार करते हुए कहा कि दोनों पार्टियां कांग्रेस सरकार के कार्यक्रमों का ''आंख मूंदकर विरोध'' करने में लगी हैं। रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार इस सम्मेलन का उपयोग तेलंगाना को एक सुगम निवेश गंतव्य के रूप में पेश करने और इसकी संभावनाओं को उजागर करने के लिए करेगी। राज्य सरकार के सहयोग से आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में 'ग्लोबल साउथ' और 'ग्लोबल नॉर्थ' के नीति-निर्माता, राजनीतिक नेता और विचारक शामिल हुए।



गिग कर्मियों को बंधुआ मजदूर बना रही बीजपी : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तेलंगाना सरकार की ओर से गिग कामगारों के कल्याण के लिए बनाए गए कानून को श्रमिकों को समर्पित किया तथा उन्हें अर्थव्यवस्था की नींव और विकास में साझेदार बताया। भाजपा पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा-आरएसएस की विचारधारा का उद्देश्य ''अडाणी और अंबानी'' जैसे बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाना है, जबकि श्रमिकों के साथ बंधुआ मजदूरों जैसा व्यवहार करना है। राहुल गांधी ने यहां गिग कामगारों के साथ बाइक रैली में हिस्सा लेने के बाद उन्हें संबोधित किया।

कल्याण कोई खैरात नहीं बल्कि संवैधानिक प्रतिबद्धता है : कोटा नीलिमा

वहीं, कांग्रेस की तेलंगाना इकाई की उपाध्यक्ष कोटा नीलिमा ने सम्मेलन में 'तेलंगाना उदय-कल्याणकारी नीतियां' विषय पर एक परिचर्चा में प्रभावी क्रि यान्वयन, जवाबदेही और प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक योजनाओं का लाभ पहुंचने के लिए नियमित रूप से कल्याणकारी योजनाओं का ऑडिट कराने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), वन अधिकार अधिनियम, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के माध्यम से कल्याण को कानूनी अधिकार का दर्जा प्रदान किया। उन्होंने कहा कि कल्याण कोई खैरात नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रतिबद्धता है।

शिवा शर्मा हत्याकांड

श्रद्धा के फ्लैट पर पुलिस ने किया सीन रीक्रिएशन

» हादसा, हत्या या आत्महत्या? तीनों एंगल से जांच में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



लखनऊ। चर्चित कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में पुलिस जांच तेज हो गई है। फॉरेंसिक टीम ने आरोपी श्रद्धा दुबे के फ्लैट पर पहुंचकर घटना का सीन रीक्रिएशन किया। पूरी कार्रवाई गोपनीय तरीके से शाम के समय करीब एक घंटे तक चली। इस दौरान डमी को ऊंचाई से गिराकर पुलिस और फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटना से जुड़े कई अहम पहलुओं की पड़ताल की। सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस ने हत्या, दुर्घटना और आत्महत्या समेत तीनों संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर घटनाक्र म को दोहराया। घटना के समय शिवा शर्मा और श्रद्धा दुबे की संभावित शारीरिक स्थिति का आकलन किया गया।

शरीर की लंबाई और वजन के अनुरूप पुतले का इस्तेमाल कर गिरने की दूरी, एंगल और जमीन से टकराने के स्थान का वैज्ञानिक विश्लेषण किया गया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने यह समझने का प्रयास किया कि चौथी मंजिल से गिरने के दौरान शरीर की स्थिति कैसी रही होगी और किन परिस्थितियों में घटना हुई होगी। पुलिस ने घटनास्थल से जुड़े वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाए हैं, जो आगे की जांच में अहम भूमिका निभा सकते हैं। डीसीपी सेंट्रल अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि जरूरी साक्ष्य जुटाने के उद्देश्य से फॉरेंसिक टीम ने सीन रीक्रिएशन किया है। इससे मामले की जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं, मामले में शुक्रवार को श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर आदिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया।

विधानसभा की तरफ बढ़े वकील, किया हंगाम

» अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग को लेकर शनिवार को बड़ी संख्या में वकीलों ने प्रदर्शन किया। हजरतगंज चौराहे पर नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर बढ़ रहे अधिवक्ताओं ने पुलिस की एक बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद कुछ वकील दूसरी बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे।

अधिवक्ताओं का पैदल मार्च कैसरबाग स्थित न्यायालय परिसर से शुरू हुआ। यहां से परिवर्तन चौक और अटल चौक होते हुए वकील विधानसभा की ओर बढ़े। प्रदर्शन को प्रदेश के कई अधिवक्ता संगठनों का समर्थन मिला है। वकीलों की मांग है कि सरकार जल्द से जल्द अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करे।

पंचायत चुनाव में ईडब्ल्यूएस वर्ग को मिले 10 प्रतिशत राजनीतिक आरक्षण

» महाराणा जनता पार्टी ने राज्यपाल को भेजा मांग-पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



लखनऊ। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को पंचायत चुनावों में 10 प्रतिशत राजनीतिक आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर महाराणा जनता पार्टी ने पहल की है। पार्टी के प्रमुख शशि प्रकाश सिंह ने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को मांग-पत्र भेजकर ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत के निर्वाचन में ईडब्ल्यूएस-वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के लिए आवश्यक संवैधानिक एवं विधायी पहल करने का अनुरोध किया है।

शशि प्रकाश सिंह ने मांग-पत्र में कहा है कि केंद्र सरकार ने 103वें संविधान संशोधन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग को शिक्षा एवं सरकारी सेवाओं में अधिकतम 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था दी है, लेकिन पंचायत चुनावों में इस वर्ग के राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए अभी तक कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि पंचायतें लोकतंत्र की आधारभूत इकाइयां हैं। गांव के विकास, सरकारी योजनाओं के क्रि यान्वयन और स्थानीय निर्णय प्रक्रिया में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

रामलीला मैदान में 50 हजार से ज्यादा भीड़ नही

» पुलिस ने की समयसीमा तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में धरना-प्रदर्शन के नियमों में जल्द ही बदलाव देखने को मिल सकता है। क्योंकि दिल्ली पुलिस की तरफ से इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान में धरना-प्रदर्शन, रैली और जनसभाओं के आयोजन को लेकर नया एसओपी तैयार किया है।

फिलहाल इस ड्राफ्ट को पुलिस मुख्यालय को मंजूरी के लिए भेजा गया है। मंजूरी मिलते ही इसे लागू कर दिया जाएगा। अगर यह नियम लागू होता है तो फिर रामलीला मैदान समेत दिल्ली के अन्य स्थलों पर यह नियम लागू होंगे। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों हुए प्रदर्शनों के बीच यह तैयारियां की जा रही हैं। प्रस्तावित नियमों को अगर मंजूरी मिलती है तो फिर रामलीला मैदान में मनमानी भीड़ नहीं जुटाई जा सकेगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार

» 333 रनों के जवाब में 89 पर सिमटी भारतीय टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

माउंट मोंगानुई। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को वनडे इतिहास की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। माउंट माउंगानुई में खेले गए चौथे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रन से हराया। 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 26.4 ओवर में महज 89 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ रनों के अंतर से भारत की सबसे बड़ी वनडे हार का रिकॉर्ड बन गया। इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ी हार 200 रन से मिली थी। यह मुकाबला 10 अगस्त 2010 को दांबुला में खेला गया था।

इस मैच में भारत की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि पूरी टीम मिलाकर भी 100 रन नहीं बना सकी। पांच मैचों की सीरीज में भारत अब भी 2-1 से आगे है। ये पहली बार नहीं है जब भारतीय टीम वनडे में 100 से भी कम स्कोर पर ऑलआउट हुई है। भारत का वनडे में सबसे न्यूनतम स्कोर श्रीलंका के खिलाफ शारजाह में 54 रन है। भारत ने इस मैच में वनडे इतिहास का अपना छठा न्यूनतम स्कोर बनाया है। भारत आठ मौकों पर वनडे में 100 से कम स्कोर पर ऑलआउट हुआ है। हालांकि, 2019 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय टीम वनडे में 100 रन भी नहीं बना सकी है। 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को पवेलियन भेजकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। यह पहली बार था जब भारत ने पहले ही ओवर में तीन विकेट गंवा दिए। रोहित पहली गेंद पर फिन एलन को कैच दे बैठे, जबकि विराट चार गेंदों पर खाता नहीं खोल सके। श्रेयस भी पहली गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। हेनरी ने पहले ओवर में मेडन रखते हुए तीन विकेट झटके। इस तरह भारतीय टीम ने नौ रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। ईशान किशन और अक्षर पटेल ने पांचवें विकेट के लिए 44 रन जोड़े, अक्षर 21 रन बनाकर आउट हो गए। ईशान किशन ने 27 रन बनाए। इससे पहले, विल यंग ने शानदार शतक लगाया।



आम सूचना

आम सूचना मेरे पक्षकार सुधीर सक्सेना पपता स्व.श्री रमाशंकर लाल सक्सेना की ओर से सर्व साधारण को इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित किया है कि मकान नंबर म.क्र .बी-2/320, सेक्टर ए, सीतापुर रोड योजना, अलीगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (पिन - 226024), जो कि स्व. श्री अशोक सक्सेना (पुत्र स्व. श्री रमाशंकर लाल सक्सेना) के पूर्ण स्वामित्व और आधिपत्य की अचल संपत्ति है जिसका स्वामित्व वर्तमान में विवादित है। उक्त संपत्ति के स्वामी स्व. अशोक सक्सेना थे जिनका निधन हो चुका है, उनकी पत्नी स्व. श्रीमती आशा सक्सेना एवं उनके इकलौते पुत्र स्व. अमित सक्सेना (अविवाहित) का भी स्वर्गवास हो चुका है। हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के तहत स्व. अशोक सक्सेना का कोई भी प्रथम श्रेणी का वैधानिक उत्तराधिकारी वर्तमान में जीवित नहीं है जिस कारण उत्तराधिकार विधि अनुसार स्व. अशोक सक्सेना की उक्त संपत्ति के उत्तराधिकारी उनके पैतृक पक्ष के जीवित सदस्य हैं। स्व. अशोक सक्सेना के जीवित सगे भाई क्रमश: सुधीर सक्सेना (निवासी-भोपाल), सुबोध सक्सेना एवं सुनील सक्सेना ही कानूनन उक्त संपत्ति के एकमात्र वैध उत्तराधिकारी और वारिसान हैं । वैध वारिसानों द्वारा सक्षम न्यायालय के समक्ष उत्तराधिकार प्रमाण पत्र एवं प्रशासन पत्र प्राप्त करने हेतु विधिक कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है । वैध वारिसानों को विश्वसनीय सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि उक्त संपत्ति को किसी अन्य व्यपक्त द्वारा स्वयं की संपत्ति बताकर उक्त संपपि को बेचने, अंतरित करने या किसी भी प्रकार का तृतीय पक्ष अपधकार सृजित करने का अवैध प्रयास किया जा रहा है या किया गया है । अत: इस लोक सूचना के माध्यम से सर्व साधारण व्यक्त, आम जनता, प्रॉपर्टी डीलरों, विकासकर्ताओं और वित्तीय संस्थानों को सचेत एवं आगाह किया जाता है कि वे उक्त संपपि म.क्र .बी-2/320, सेक्टर-ए, अलींगज, लखनऊ के संबंध में उपरोक्त वैध उत्तराधिकाररयों के सिवा किसी अन्य व्यक्ति के साथ किसी भी प्रकार का क्र य-विक्र य, बयाना, लीज, बंधक या अन्य कोई भी संव्यवहार न करें । यदि कोई भी व्यपक्त या संस्था उक्त पववापित संपति के संबंध में किसी भी प्रकार का वित्तीय या व्यावसायिक लेन देन करता है या कर चुका है तो ऐसा कोई भी संव्यवहार अवैध, शून्य (वॉयड) और वैध उत्तराधिकारियों पर गैर-बाध्यकारी हो तथा उसके लिए वैध उत्तराधिकारी जिम्मदार नहीं होंगे। वैध वारिसान ऐसे किसी भी अवैध कृत्य के विरुद्ध दीवानी एवं आपराधिक कानूनी कार्यवाही करने के लिए पूर्णत: स्वतंत्र होंगे। यपि इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है या उसने ऐसा कोई संव्यवहार ऐसे किसी अन्य व्यक्ति से कर लिया है तो अवैध होंगे एवं ऐसा कोई भी व्यक्ति अपनी आपत्तियां/शिकायत मय दस्तावेज अधिवक्ता आकाश आंबेडकर के कार्यालय में आज दिनांक से 30 दिवस के भीतर आवश्यक रूप से प्रेषित/प्रस्तुत कर सकते हैं।

आकाश आंबेडकर, अधिवक्ता

तराई के जंगलों पर पर्दे के पीछे हुआ सौदा!

» उत्तर प्रदेश के टाइगर रिजर्व को चुपचाप निजी हितों के लिए खोला गया

» मुख्यमंत्री तक को नहीं मिली भनक!

» कोई टेंडर नहीं, कोई प्रतिस्पर्धा नहीं, कोई पारदर्शिता नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में पर्यावरण के प्रति घोर लापरवाही सामने आई है। इस अवैधानिकता को रोकने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता एस एम हैदर रिजवी ने मांग उठाई है।


वरिष्ठ अधिवक्ता एसएम हैदर रिजवी

उन्होंने समस्त संबंधितों को विस्तृत विधिक प्रत्यावेदन भेजा है। काम इतनी गुपचुप तरीके से अंजाम दिया गया कि सीएम योगी तक को खबर नहीं हुई। मामला तराई के जंगलों से जुड़ा है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के टाइगर रिज़र्व को चुपचाप निजी हितों के लिए खोल दिया गया? दुधवा और पीलीभीत टाइगर रिज़र्व से जुड़ा निजी पार्टी के पक्ष में किया गया एक विवादित एमओयू, जिसके माध्यम से निजी पार्टी और उसके हितबद्धियों को दुधवा और पीलीभीत के जंगलों (कोर एरिया सहित) 24गुणा 7 निर्बाध आवागमन की अनुमति दी गई है, अब गंभीर संवैधानिक, कानूनी और प्रशासनिक सवालों के केंद्र में है।



सरकारी संसाधन, निजी मुनाफा!

आरोप है कि सरकारी वाहन, विश्राम गृह, वन क्षेत्र, कैमरा फुटेज और प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया गया, जबकि व्यावसायिक लाभ का अधिकांश हिस्सा निजी पक्षों को सौंप दिया गया। कहीं यह कंज़र्वेशन के नाम पर कॉरपोरेट कब्जे का नया मॉडल तो नहीं? प्रतिनिधित्व में आरोप है कि संरक्षण और जन-जागरूकता की आड़ में टाइगर रिज़र्व पर निजी नियंत्रण के लिए एक खतरनाक मिसाल स्थापित की गई है। वन विभाग के भीतर किसने खोले निजी हितों के दरवाज़े? मांग की गई है कि एमओयू तैयार करने, अनुमोदित करने, हस्ताक्षर करने और उसे लागू करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। यह केवल एक एमओयू नहीं, बल्कि शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की परीक्षा है। प्रश्न केवल जंगलों का नहीं, बल्कि इस बात का है कि क्या जनता की साझा प्राकृतिक धरोहर बिना राजनीतिक और संवैधानिक स्वीकृति के बंद कमरों में सौंप दी जा सकती है।



वन्यजीव संरक्षण अब कसीनो श्रेणी की संस्था के भरोसे

प्रतिनिधित्व में यह प्रश्न उठाया गया है कि वन्यजीव संरक्षण, बाघों की सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन से ऐसे संगठन का प्रत्यक्ष संबंध क्या है। रात में जंगलों में प्रवेश, ड्रोन उड़ाने और संवेदनशील डेटा तक पहुंच की अनुमति! जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने टाइगर रिज़र्वों में रात्रिकालीन गतिविधियों और नाइट टूरिज्म पर कठोर रुख अपनाया है, एमओयू में ठीक इसके विपरीत प्रावधान होने के आरोप लगाए गए हैं। बाघों की लोकेशन और कैमरा ट्रैप डेटा किसके हाथों में? प्रत्यावेदन में आशंका व्यक्त की गई है कि ऐसी संवेदनशील जानकारी निजी नेटवर्क और निजी संस्थाओं तक पहुंचने से वन्यजीव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे उत्पन्न हो सकते हैं।

बड़ा सवाल : इतने बड़े निर्णय का अधिकार किसने और किस आधार पर प्रयोग किया?

क्या मुख्यमंत्री को भी विश्वास में नहीं लिया गया? पूरे एमओयू में कहीं यह स्पष्ट नहीं कि राज्य सरकार, मंत्रिपरिषद अथवा मुख्यमंत्री स्तर पर कोई स्वीकृति प्राप्त की गई थी। यदि नहीं, तो आखिर इतने बड़े निर्णय का अधिकार किसने और किस आधार पर प्रयोग किया? जनता के या चुनिंदा निजी संस्थाओं के हजारों करोड़ रुपये मूल्य के प्राकृतिक संसाधनों और देश की अमूल्य वन्य धरोहर पर एक निजी समूह को वर्षों तक विशेषाधिकार देने के आरोप लगे हैं। संविधान और अधिनियम को दरकिनार कर किया गया समझौता?

प्रत्यावेदन में आरोप है कि MOU संविधान के अनुच्छेद 299 की अनिवार्य शर्तों की अवहेलना कर निष्पादित किया गया, जिससे इसकी वैधता ही प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन के लिए न तो कोई वैश्विक निविदा निकाली गई, न कोई अभिरुचि आमंत्रित की गई और न ही कोई पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाई गई। जिस संस्था को विशेष प्रवेश दिया गया, उसकी पृष्ठभूमि पर गंभीर प्रश्न! सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कॉर्पोरेट अभिलेखों के अनुसार नक्षास आर्क फाउंडेशन, एनआईसी वर्गीकरण ऐसी गतिविधियों से संबद्ध बताया गया है जिनमें लॉटरी, जुआ, सट्टेबाज़ी और कैसीनो संचालन जैसी गतिविधियां सम्मिलित हैं। ऐसा संगठन देश के सबसे संवेदनशील टाइगर रिज़र्व में विशेष अधिकार कैसे प्राप्त कर गया?



शीघ्र दाखिल करेंगे जनहित याचिका

इस पूरे प्रकरण से संबंधित एमओयू, अभिलेख, कॉर्पोरेट रिकॉर्ड, कानूनी दस्तावेज़, न्यायिक निर्णयों के संदर्भ तथा अन्य प्रासंगिक सामग्री उन सभी पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों, पर्यावरणविदों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संस्थाओं को उपलब्ध कराई जाएगी जो इस विषय को व्यापक जनचर्चा और सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में लाना चाहते हैं। इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई अथवा किसी शीर्षस्थ संस्था से कराने के अनुरोध सहित एक जनहित याचिका शीघ्र दाखिल किया जाना प्रस्तावित है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा